‘प्राथमिक शिक्षक’ राष्ट्रीय शैक्षिक अनुसंधान और प्रशिक्षण परिषद् की एक त्रैमासिक पत्रिका है। इस पत्रिका का मुख्य उद्देश्य है, शिक्षकों और संबद्ध प्रशासकों तक केंद्रीय सरकार की शिक्षा नीतियों से संबंधित जानकारियाँ पहुँचाना, उन्हें कक्षा में प्रयोग में लाई जा सकने वाली सार्थक और संबद्ध सामग्री प्रदान करना और देशभर के विभिन्न केंद्रों में चल रहे पाठ्यक्रमों और कार्यक्रमों आदि के बारे में समय पर अवगत कराते रहना। शिक्षा जगत् में होने वाली गतिविधियों पर विचारों के आदान-प्रदान के लिए भी यह पत्रिका एक मंच प्रदान करती है।

पत्रिका में प्रकाशित लेखों में व्यक्त किए गए विचार लेखकों के अपने होते हैं। अत: यह आवश्यक नहीं है कि प्रत्येक चिंतन में परिषद् की नीतियों को ही प्रस्तुत किया गया हो। इसलिए परिषद् का कोई उत्तरदायित्व नहीं है।

अकादमिक संपादक

लता पाण्डे

अकादमिक संपादकीय मंडल

इंदु कुमार

रमेश कुमार

नरेश यादव — *मुख्य संपादक (संविदा सेवा)*

रेखा अग्रवाल — *संपादक*

राजेन्द्र चौहान — *सहायक उत्पादन अधिकारी*

आवरण चित्र

गौतम सिंह, IV ई, केंद्रीय विद्यालय

एन.सी.ई.आर.टी., नयी दिल्ली

मूल्य एक प्रति – ₹ 65.00 वार्षिक – ₹ 260.00

मेरे आँगन में

कामिनी भटनागर*

बादलों के पंछियों घर मेरे आओ
यहाँ मेरा छोटा-सा घर है।
आँगन की बगिया के फूलों से मिलने
कभी तो बरसते तुम, कभी चुप खिसकते तुम।
क्यों हैराँ-सा फिरा करते हो, क्या तुम्हारा भी है घर?
क्या माँ-बापू होंगे तुम्हारे भी, मेरे माँ-बापू जैसे निष्छल।
बादलों के पंछियों जब फुर्र उड़ जाते हो, तुम याद बहुत आते हो।
दोस्त खेलना यहाँ मेरे आँगन में अगर मेरे हो रोज़ मुझे मिलना साथ-साथ ।

* *असिस्टेंट प्रोफ़ेसर,* सी.आई.ई.टी., एन.सी.ई.आर.टी, नयी दिल्ली 110016

यह चित्र कुशाग्र भटनागर द्वारा बनाया गया है।

अध्यक्ष, प्रकाशन प्रभाग, राष्ट्रीय शैक्षिक अनुसंधान और प्रशिक्षण परिषद्, श्री अरविन्द मार्ग, नयी दिल्ली 110 016 द्वारा प्रकाशित तथा एना प्रिन्टो ग्राफिक्स प्रा.लि., 347-के, उद्योग केन्द्र एक्स-II, ग्रेटर नोएडा-201306 द्वारा मुद्रित।